दिनों-दिन बढ़ रही नर्मदा तटों पर जल प्रदूषण

नर्मदा आचमन के लायक भी नहीं बचा

जबलपुर। मां नर्मदा के प्रति लोगों की श्रद्धा किसी से छुपी नहीं है। दिनों-दिन नर्मदा तटों पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा बढ़ता ही जा रहा है। उसके बावजूद तटों तक पहुंचने वाले कम ही लोग नर्मदा जल से आचमन करना पसंद करते हैं। अधिकांश तट पर खड़े होकर नर्मदा जल हाथ में लेकर नमन कर लेते हैं। इसकी वजह नर्मदा का हद दर्जे तक प्रदूषित होना है। छोटे-बड़े गांव मिलाते हुए सौ से अधिक नाले मां नर्मदा में समाहित हो रहे हैं, जिससे प्रदूषण का स्तर दिनोंदिन बढ़ रहा है। प्रदेश की जीवन रेखा कहीं जाने वाली नर्मदा नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए भारत सरकार ने मध्य प्रदेश को 15 करोड़ रुपयों की सहायता दी है। इसके अलावा राज्य सरकार भी नर्मदा जल को प्रदूषण से बचाने के लिए कई प्रकार के खर्चीले उपाय कर रही है। उसके बाद भी हालात जस के तस ही हैं। पानी एक दम मटमैला हो गया है। दूर तक कहीं भी मां नर्मदा स्वच्छ नहीं दिखती हैं। इधर आश्चर्य की बात ये हैं क मप्र प्रदूषणा नयंत्रण की रिपोर्ट में प्रदूषण होता ही नहीं है। ये भी वे एकि वचारणीय प्रश्न है। इधर नर्मदा तटों पर बसे छोटे-छोटे गांव, छोटे-बड़े शहरों, छोटे-बड़े औद्योगिक उपक्रमों और रासायनिक खाद और कीटनाशकों के प्रयोग से की जाने वाली खेती के कारण उद्गम से सागर विलय तक नर्मदा प्रदूषित हो गई है और नर्मदा तट पर तथा नदी क्षेत्र में वनों की कमी के कारण आज नर्मदा में जल स्तर भी

20 वर्ष पहले की तुलना में घट गया है। आने वाले समय में नर्मदा का जल स्तर लगातार घटने के कयास लगाए जा रहे हैं, जो एक गंभीर समस्या है। क्षारीय हो चुका पानी अब पीने योग्य नहीं कई स्थानों पर जल में क्लोराइड और घुलनशील कार्बन डाईऑक्साइड का आंकलन अधिक पाया गया है। इससे निष्कर्ष निकलता हैं क ये पानी कितना क्षारीय हो चुका है। कुछ स्थानों पर जल घातक रूप से प्रदूषित पाया गया। भारतीय मानक संस्थान ने पेयजल में पीएच 6.5 से 8.5 तक का स्तर तय किया है, इससे स्पष्ट है कि नर्मदा जल पीने योग्य नहीं है और इस प्रदूषित जल को पीने से नर्मदा क्षेत्र में गरीब और ग्रामीणों में पेट से संबंधित कई प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं, इसे सरकारी स्वास्थ्य विभाग भी स्वीकार करता है। जनसंख्या बढ़ने, कृषि तथा उद्योग की गतिविधियों के विकास और विस्तार से जल स्त्रोतों पर भारी दबाव पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में मध्य प्रदेश में नर्मदा तट के ही कई गांव और शहरों में भीषण जल संकट की स्थिति निर्मित हो जाती है। ऐसे में नर्मदा जल को प्रदूषण से बचाने के उपाय गंभीरता से नहीं हो रहे हैं, यह एक गंभीर चिन्ता का विषय है। जानकारों का कहना है कि हाल के वर्षों में जिस तरह से नर्मदा के आसपास के पर्यावरण को दूषित करने का प्रयास किया गया है, उससे जीवनदायिनी के अस्तित्व पर ही अब प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं। मां नर्मदा के अमृत रूपी जल में जहर घुलने लगा है, जो वर्तमान और भविष्य के लिहाज से विकराल समस्या बन सकता है। निर्मल जल का क्षारीय होने का अर्थ है कि गंदगी और जहरीला पानी नदी के पावन जल की गुणवत्ता को लील रहा है।

आरटीओ में बगैर टेस्ट लिए ही बन रहे महिलाओं के ड्राइविंग लाइसेंस

जबलपुर। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में महिलाओं के लर्निंग लाइसेंस बिना टेस्ट लिए ही बनाए जा रहे हैं। इसके लिए दलालों का एक गिरोह सक्रिय है, जो 5 सौ से एक हजार रुपए लेकर महिलाओं को सीधे-सीधे पास करा रहा है, जबकि शासन ने महिलाओं के लाइसेंस मुफ्त बनाने की घोषणा की है। इससे आरटीओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं सड़क पर वाहन चालकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है। इधर सोचने वाली बात ये है कि बिना टेस्ट दिए गाड़ी चलाने का लाइसेंस तो मिल जाएगा और लाइसेंसधारी ट्रैफिक पुलिस की चालानी कार्रवाई से भी बच जाएंगे, लेकिन सड़क पर ट्रैफिक नियमों का पालन कर पाने में वे सक्षम हैं या नहीं, इस पर संशय है।

ट्रैफिक नियमों की जानकारी नहीं होने के कारण सड़क पर गाड़ी चलाने वाले स्वयं के साथ ही दूसरों के लिए

भी खतरा बन सकते हैं। जो लोग दलालों के माध्यम से लाइसेंस बनवाते हैं, उन्हें सिर्फ फोटो और फिंगर प्रिंट देने के लिए आरटीओ जाना पड़ता है और लाइसेंस बनकर तैयार हो जाता है। दलाल के माध्यम से लाइसेंस बनवाने का फायदा ये मिलता है कि न टेस्ट की चिंता और न ही बार-बार चक्कर लगाने की परेशानी उठाना पड़ती है। आरटीओ में 90 फीसदी लाइसेंस दलालों द्वारा बनवाए जाते हैं। 10 फीसदी लोग ही नियम से प्रक्रिया पूरी करते हैं। बिना दलाल के लाइसेंस बनवाने वालों को हर परीक्षा से गुजरना पड़ता है। इन्हें आवेदन के बाद कोई फीस नहीं देनी होती। ईमानदारी से वही लोग लाइसेंस बनवाने में सफल हो पाते हैं जिन्हें ट्रैफिक नियमों की वास्तव में जानकारी है।

लाइसेंस, पंजीयन कार्ड नहीं रखना होगा पास: आने वाले कुछ माह में वाहन चलाते समय ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीयन कार्ड, बीमा पॉलिसी सहित परमिट, फिटनेस जैसे दस्तावेज साथ रखने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके लिए परिवहन विभाग इंटीग्रेटेड मोबाइल एप लाने वाला है। ये एप दो तरह से काम करेगा, पहला एम परिवहन एप और दूसरा एम परिवहन वेब पोर्टल के रूप में काम करेगा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अभी सॉफ्टवेयर का ट्रायल चल रहा है और काफी सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

हबीबगंज रेलवे स्टेशन पहुंचने पर टूटी स्प्रिंग, यात्रियों को दूसरे कोच में शिफ्ट

भोपाल। नई दिल्ली से हबीबगंज पहुंची शताब्दी एक्सप्रेस की व्हील स्प्रिंग रविवार को एक बार फिर टूट गई। इस वजह से ट्रेन को करीब दो घंटे की देरी से वापस रवाना किया जा सका। जिस कोच की स्प्रिंग टूटी थी, उसे काटकर अलग कर दिया गया। साथ ही उसमें सवार होने जा रहे 24 यात्रियों को अन्य कोच में शिफ्ट कर दिया गया। स्प्रिंग टूटने की यह घटना इस महीने दूसरी बार हुई है। जबकि पिछले दस महीने के दौरान सात बार शताब्दी की व्हील स्प्रिंग टूट चुकी है। मंडल प्रवक्ता आईए सिद्दीकी ने बताया कि कोच काटकर शताब्दी को रवाना किया गया है। इस कारण वह देरी से रवाना हो सकी। नई दिल्ली से हबीबगंज आ रही ट्रेन 12001 शताब्दी एक्सप्रेस जब प्लेटफॉर्म पर लग रही थी, तब ही कोच नंबर सी-7 के नीचे लगी व्हील स्प्रिंग टूट गई। कर्मचारियों ने स्प्रिंग टूटने की आवाज सुन ली। इसके बाद ट्रेन के रुकते ही स्प्रिंग की रिपेयरिंग करने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूत्रों के मुताबिक यदि यह स्प्रिंग रास्ते में कहीं टूटती तो किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था।

पैनल पासवर्ड के अलावा एटीएम बूथ के बैक रूम की चाबी भी बदमाश के पास थी

भोपाल। पिपलानी पेट्रोल पंप के पास भीड़भाड़ के बीच आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम से 13 लाख 15 हजार रुपए की चोरी करने वाले चोर के पास एटीएम बूथ के बैक रूम की चाबी भी थी। चोर ने एटीएम बूथ में घुसने के बाद शटर बंद कर सबसे पहले चाबी से

बैक रूम का ताला खोलकर उसमें लगे अलार्म को निकाल दिया। इसके बाद उसने एटीएम मशीन का पैनल तोड़कर की-बोर्ड में पासवर्ड इंटर कर कैश-ट्रे निकाली और 13 लाख 15 हजार 200 रुपए बैग में भरकर चंपत हो गया था। यह खुलासा शनिवार रात एटीएम की जांच करने पहुंची पुलिस टीम ने किया। पुलिस ने इंजीनियर से एटीएम मशीन खुलवाकर उसके अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी लिए, लेकिन उसमें आरोपी का चेहरा साफ नहीं आया है। क्योंकि आरोपी ने शटर लगाने के बाद अंदर की लाइट बंद कर दी थी। वह करीब डेढ़ घंटे तक एटीएम बूथ में रहा, लेकिन न तो उसे जल्दबाजी थी और न ही हड़बड़ी। उसने बड़े आराम से वारदात को अंजाम दिया। पिपलानी टीआई ब्रजेश भार्गव ने बताया कि एटीएम में सेफ गार्ड खोलने वाला पासवर्ड अप्रैल के बाद नहीं बदला गया। नियमानुसार हर महीने पासवर्ड बदलना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया। ऐसे में सवाल उठता है कि यह पासवर्ड कई लोगों के पास होगा। हमने बीते चार साल में कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों और छोड़ने वालों की जानकारी मांगी है। अब तक दो दर्जन से अधिक कर्मचारियों से पूछताछ की जा चुकी है, लेकिन आरोपी का सुराग नहीं मिल पाया है। सुरक्षा में चूक को लेकर पिपलानी पुलिस ने आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम में रुपए डालने वाली कंपनी राइटर सेफ गार्ड प्रा.लि. और मशीन बनाने वाली कंपनी एफएसएस को नोटिस जारी किया है। उनसे पूछा गया है कि क्यों न उनके खिलाफ एटीएम की सुरक्षा में कोताही बरतने के लिए मामला दर्ज किया जाए। पुलिस ने कहा है कि एटीएम की सुरक्षा का जिम्मा संबंधित कंपनी का था, इसलिए वह इस कार्रवाई के घेरे में आती है।

तेज रफ्तार ट्रक ने एसयूवी को मारी टक्कर, मौके पर ही हुई 2 महिलाओं की मौत

भोपाल/सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में सोमवार सुबह एक निजी एसयूवी और ट्रक की आमने-सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में एसयूवी में सवार दो महिलाओं की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार एसयूवी में सवार सभी लोग दमोह से सागर जिले स्थित बघाजमाता मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे, तभी रास्ते में उनका वाहन हादसे का शिकार हो गया। शाहगढ़ पुलिस सूत्रों ने बताया कि सागर-छतरपुर मार्ग पर हीरापुर गांव के पास सुबह करीब 10 बजे दमोह की ओर से आ रही एसयूवी को सागर की ओर जा रहे एक ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। वाहन में करीब 16 लोग बैठे थे, जिसमें से दो महिलाओं की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अन्य 14 घायलों को शाहगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी लोग दमोह के निवासी हैं। हादसे में मरने वाली महिलाओं की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

यूनिटेक की सहयोगी कंपनी एसवीएस ने 1200 ग्राहकों से वसूले 300 करोड़ रुपए

भोपाल। ग्रेटर नोएडा और देहरादून के बाद रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक और उसकी सहयोगी कंपनियों का बड़ा फर्जीवाड़ा भोपाल में भी सामने आया है। लोगों को अफोर्डेबल हाउसिंग का सपना दिखाने वाली रियल एस्टेट कंपनी राजधानी के 1200 लोगों से अब तक करीब 300 करोड़ रुपए जमा करा चुकी है। प्रोजेक्ट पूरा होने की तारीख निकलने के बाद अब तक किसी को भी पजेशन नहीं दिया गया है। दरअसल, प्रोजेक्ट में 20 फीसदी निर्माण भी नहीं हुआ है। कोलार स्थिति बैरागढ़ चीचली में प्रस्तावित यूनिहोम्स सिटी में फ्लैट बुक कराने के बाद फंसे राजधानी के पीड़ित भी ग्रेटर नोएडा की तरह ही आरपार की लड़ाई के मूड में आ गए हैं। अब तक 53 पीड़ित कंज्यूमर फोरम में शिकायत दर्ज करा चुके हैं, जबकि 13 पीड़ितों ने रेरा में शिकायत दर्ज कराई है। इन लोगों ने अब एकजुट होकर कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की भी तैयारी कर ली है। बाउंस हो चुका है संपत्तिकर के लिए दिया गया चेक- यूनिहोम्स सिटी पर 3,30,950 रुपए का संपत्तिकर बकाया है। कंपनी ने नगर निगम को 31 मार्च को संपत्तिकर का भुगतान चेक से किया जो बाउंस हो चुका। अब निगम के बार-बार कहने के बाद भी कंपनी टैक्स नहीं चुका रही है।

20 लाख रुपए दे चुका हूं: अमिताभ प्रसाद कहते हैं कि 2013 में मैंने 35 लाख रुपए में यूनिहोम्स सिटी में फ्लैट बुक कराया था। पजेशन अप्रैल 2017 में देने का कहा था। जल्द ही निर्माण की बात कह कर 70ब अमाउंट 6 माह में ले लिया। मैं अब तक 20 लाख रुपए यूनिटेक कंपनी को दे चुका हूं। मैंने दूसरी मंजिल पर फ्लैट बुक कराया है, लेकिन अब तक दूसरी मंजिल की छत तक नहीं डली है। कोई बताने को तैयार नहीं है कि फ्लैट कब तक मिलेगा।

4 साल से पजेशन का इंतजार: मनोज कटारिया ने बताया कि मैंने 2011 में फ्लैट बुक कराया था। बुकिंग के छह माह में ही 25 लाख रुपए अदा कर दिए। 2013 में पजेशन मिलना था, लेकिन 4 साल बीत चुके हैं। न तो फ्लैट मिला और न ही पैसे वापस किए जा रहे हैं।

आंचलिक

सूखे में सौर सुजला ने लाई हरियाली

जनधारा समाचार

बेमेतरा। जिले में इस वर्ष अल्प वर्षा के कारण उत्पन्न स्थिति से सूखे की हालात निर्मित हो गई हैं। ऐसी स्थिति में सौर सुजला के हितग्राहियों को सूखे का खास असर नहीं पड़ा है। इन किसानों के खेत हरे-भरे हैं तथा वे अच्छे उत्पादन की उम्मीद लगाये है।

खास बात यह है कि ये किसान बिजली की उपलब्धता पर निर्भर नही हैं। इन्हीं किसानों में से ग्राम.आंदूए विकासखण्ड बेरला के श्री भंवर सिंह भी है जिनके खेत में सौर सुजला से धान की फसल लहलहा रही है। भंवर सिंह ने सौर सुजला योजना के अंतर्गत 05 एचपी का सोलर पंप लगवाया है वे लगभग 02 एकड़ खेत में धान की खेती कर रहे हैं। उनकी फसल हरी-भरी हैए जबकि उनके बगल के खेत की फसल सूखे की चपेट में है। श्री भंवर सिंह अपने साथ अन्य किसानों को भी सिंचाई के लिये सोलर पंप से पानी उपलब्ध

करा रहे हैं। ऐसा ही ग्राम मासुलगोन्दी विकासखण्ड साजा के किसान श्री महेन्द्र पटेल भी है। इन्होंने भी 05 एचपी का सोलर पंप स्थापित कराया हैए वे लगभग 3ण्5 एकड़ में धान की तथा 1.5 एकड़ में सब्जी की खेती कर रहे हैं। कृषक भंवर सिहं और महेन्द्र पटेल सोलर पंप की कामयाबी से अत्यंत खुश हैं क्योंकि उनकी फसल पर सूखे का कोई असर नहीं हुआ है। ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2016-17 में सौर सुजला योजना अंतर्गत जिला बेमेतरा में कुल 116 सोलर पंप स्थापित किए गए हैं इस वर्ष जिले को कुल 200 पंप स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है इसके लिए प्राप्त आवेदनों में से क्रेडा विभाग द्वारा 57 किसानों के आवेदन को मापदंड में पात्र पाये गये है।

जनजाति आयोग के अध्यक्ष ने किया छात्रावासों का निरीक्षण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष ी जीआरणाणा ने चारामा और नरहरपुर विकासखण्ड के विभिन्न छात्रावासों और स्कूलों का गत रविवार को सघन निरीक्षण किया। श्री राणा ने नरहरपुर विकासखण्ड के प्री मैट्रिक छात्रावास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे और अध्यापन के संबंध में शिक्षकों से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों से गोंडी में गीत गाकर सुनाने कहा। इसी प्रकार उन्होंने चारामा विकासखण्ड प्रि मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास पंडरीपानी का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने छात्रावास अधीक्षकों की बैठक ली और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान मौके पर सहायक आयुक्त आदिवासी केपी ध्रुव भी मौजूद थे। वे प्रि मैट्रिक आदिवासी छात्रावास पंडरीपानी में आयोजित पालक सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पालकों से विद्यार्थियों की शिक्षा और अन्य जानकारी ली।

प्लेसमेंट कैंप का आयोजन आज

जगदलपुर। प्लेसमेंट कैम्प 2017 का आयोजन जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कांकेर के कार्यालय परिसर में 26 सितम्बर को प्रातः 11 बजे से 03 बजे तक किया जाएगा। निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा कुल प्राप्त 60 रिक्तियों के आधार पर प्लेसमेंट कैम्प द्वारा भर्ती किया जाएगा।

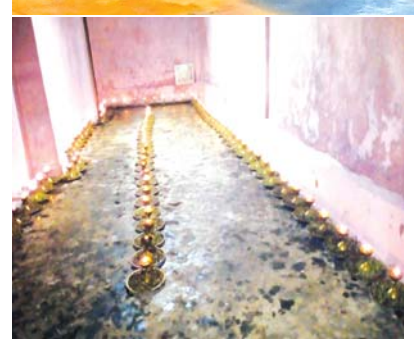

पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा

बचेली। नगर पालिका वार्ड क्रमांक 4 के आरईएस कॉलोनी में स्थित दुर्गा मंदिर में शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन सोमवार को मां स्कंदमाता की विधिविधान पूर्वक पूजा की गई। साथ ही शाम को गरबा व् डांडिया का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे महिलाएं बच्चे सभी भाग लेकर आनंद ले रहे है। मंदिर समिति के अध्यक्ष आरएल दास ने बताया की मंदिर में इस बार शारदीय नवरात्र के अवसर पर 101 मनोकामना ज्योति प्रज्जवलित की गई है।

सार्वजनिक क्षेत्रों में साफ-सफाई कर किया श्रमदान

साजा। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नगर पंचायत साजा सीमा अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्रों में साफ - सफाई कर श्रमदान किया गया। जिसमें पुष्पवाटिका उद्यान की साफ-सफाई की गई। नगर पंचायत साजा के कर्मचारी पुखराज शर्मा, ठुबलूराम सिन्हा केशवराम साहू, चन्द्रप्रकाश वर्मा, सुंदर सिन्हा सहित नागरिक उपस्थित रहे।

चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों का आमरण अनशन शुरू

धमतरी। आदिम जाति विभाग द्वारा संचालित स्कूलो को चार साल पहले वर्ष 2013 में स्कूल शिक्षा विभाग में मर्ज कर दिया गया है। इस विभाग में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी के लगभग 90 कर्मचारियों को शिक्षा विभाग में नही लिया है अब भी वे अपनी बहाली की मांग को लेकर शासन का मुंह ताक रहे है। कलेक्टर जनदर्शन तथा उच्चाधिकारियों से गुहार लगाने के बाद भी उनकी सुनवाई नही हो रही है इसलिए 25 सितंबर सोमवार को इन कर्मचारियों ने गांधी मंच में आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया है।

छायाचित्र प्रदर्शनी का समापन

जनधारा समाचार

धमतरी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह के अवसर पर जनसम्पर्क विभाग द्वारा कलेक्टोरेट परिसर में लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन आज कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन देने आए ग्रामीणों ने किया। पंडित उपाध्याय के जीवनवृत्त पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी के समापन दिवस पर आए ग्रामीणों ने इसकी सराहना की। मगरलोड के ग्राम रेंगाडीह से आए ग्रामीण गोपाल ध्रुव ने कहा कि जनदर्शन के साथ-साथ पंडित उपाध्याय का जीवन दर्शन इस प्रदर्शनी के माध्यम से हो गया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी के माध्यम से ही पंडित जी की विचाधारा और सोच के बारे में पता चला। नगरी ग्राम झूरातराई से आई ललिता बाई और रायपारा से आई नीरा बाई ने प्रदर्शनी को देखने के बाद कहा कि प्रदर्शनी के जरिए उन्हें पंडित उपाध्याय के योगदान के बारे में जानकारी मिली। मगरलोड के ग्राम मोहेरा से आए देवनारायण लहरे ने बताया कि आज के समय में भी उनके विचार प्रासंगिक और यथार्थ हैं। ग्राम कोलियारी से आए आवेदकों ने कहा कि जन्मशती समारोह के माध्यम से पंडित उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व को सहेजने

का छत्तीसगढ़ शासन का यह अनूठा प्रयास है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से अनेक तरह की जानकारियां लोगों को मिलती हैं। उल्लेखनीय है कि पंडित उपाध्याय की जन्मशती समारोह के उपलक्ष्य में छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन कलेक्टोरेट परिसर में 16 सितम्बर से आमजनता के अवलोकनार्थ किया गया है, जिसका आज समापन हुआ।

जनदर्शन में आए 101 आवेदन

जगदलपुर। साप्ताहिक कार्यक्रम कलेक्टर जनदर्शन में आज 101 आवेदन प्राप्त हुए। कांकेर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से आए आवेदकों से एसडीएम सुश्री भारती चन्द्राकर ने कलेक्टर कक्ष में रूबरू भेंट कर मांग समस्या और शिकायतों पर आधारित आवेदन प्राप्त किये।

जनदर्शन में प्राप्त आवदनों में पोटगांव के शत्रुघन ने निवास प्रमाण पत्र बनाने ग्राम कलमुच्चे के सियाराम एवं अन्य ग्रामीणों ने पहुंच मार्ग हेतु सीसी रोड निर्माण करानेए कोचवाही के श्यामसिंह दर्रो ने निःशक्त खाद्यान्न दिलाने की मांगए शाहवाड़ा के भरतराम हिरउराम नें पेंशन दिलाने गढ़पिछवाड़ी के खेमन सिंह सिन्हा ने एजुकेशन लोन प्रदाय करने देवपुर पखांजूर की संध्या मंडल ने विकलांग भत्ता दिलानेए अभिलाश नगर के रमेन सरकार ने 2002 का राशन कार्ड प्रदाय करनेए पीव्ही 2 देवपुर के उत्तम मंडल ने नल जल व्यवस्था करनेए सरंगपाल के कोमलराम देवांगन ने प्रधानमंत्री आवास योजना से मकान दिलाये जाने की मांगए बुदेली के सुरेश कुमार ने वृक्ष कटाई

की मुआवजा राशि दिलाने की मांग और छन्नूराम साहू ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर में नाम जोड़ने हेतुए पीव्ही 116 पखांजूर ने सुब्रत सरकार के विरूद्ध निम्न शिकायत हेतुए उदय नगर कांकेर के चोला मंड़ल कांकेर के ब्राच मैनेजर सचिन शिंदे के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। पीव्ही लखनपुर की रिमा सरकार ने राशन कार्ड एवं विधवा पेंशन की स्वीकृति दिलानेएमातला के माहरूराम एवं अन्य ग्रामीणों ने सोलर पंप लगवानं की मांग कुर्री के सरपंच ने माध्यमिक शाला कुर्री के प्रधानात्मक के हटाने के संबंध में ताड़ोकी के उपसरपंच एवं अन्य ग्रामीण ने रेल्वे लाईन की जमीन का मुआवजा एवं नौकरी दिलानेए तेलगुड़ा के पूर्णिमा बाई ने शौचालय निर्माण एवं आवास निर्माण की संबंध एवं अन्य ने अपनी मांग समस्या एवं शिकायत संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया।